

गोलकुंडा एवं कुतुब शाही कलिा

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (National Monuments Authority-NMA) ने हैदराबाद (तेलंगाना) में 500 साल पुराने गोलकुंडा कलिा (Golconda Fort) और कुतुब शाही मकबरे (Qutb Shahi Tombs) परसिर के वनियमति क्षेत्र में 54 पंक्तबिद्ध घरों के वकिस के लयि कदम उठाय है ।

प्रमुख बदि

- तेलंगाना के राष्ठीय स्मारक प्राधिकरण ने बलिडर को अनापत्ता प्रमाण-पत्र जारी करने के खलिाफ प्राचीन स्मारक और पुरातत्त्व स्थल और अवशेष (Ancient Monuments And Archaeological Sites and Remains-AMASR) अधनियम का हवाला देते हुए कई गंभीर मुद्दों को उठाय ।
- चतिा का वषिय यह है कयिदइन प्राचीन वरिसतों का जीरणोदधार कराय जात है तो यह प्राकृतिक सौन्दर्य को अवरुद्ध करेगा जो दो स्थानों के बीच सदयिों से मौजूद है ।
- नरिमाण स्थान पाटनचेरु दरवाज़ा (Patancheru Darwaza) के पास स्थति दीवार से 101 मीटर की दूरी पर है । प्राचीन काल में यह द्वार पुराने गोलकुंडा स्थल में जाने का प्रमुख मार्ग था ।
- कसिी भी प्रकार का जीरणोदधार कार्य गोलकुंडा के प्राचीन इतहिस को प्रभवति करेगा और ऐसा अनुमान लगाय गया है कपिराने गोलकुंडा कलिा और मकबरे के जीरणोदधार के कारण गोलकुंडा कलिा क्षेत्र से अधिक तक वसितारति हो सकत है ।
- यह कलिा की दीवार और मकबरे के बाहरी बाड़े के बीच पाँच छोटे-छोटे जल नकियों पर भी प्रभाव डालेगा ।
- यह जीरणोदधार स्मारक स्थलों के लयि वशि्व धरोहर का दर्जा (World Heritage Status) हासलि करने के प्रयासों को भी प्रभवति करेगा (2014 में नामांकति) ।
- सरकारी एजेंसयिों और नागरकियों को दोनों स्थलों के वरिसत चरतिर को बनाए रखने के लयि मलिकर काम करने की ज़रूरत है ।

प्राचीन स्मारक और पुरातत्त्व स्थल तथा अवशेष (Ancient Monuments And Archaeological sites and Remains-AMASR) (संशोधन और मान्यता) अधनियम, 2010

- 2010 में पारति इस अधनियम के अंतर्गत प्राचीन स्मारकों और पुरातत्त्वक स्थलों के संरक्षण, और समय-समय पर उनकी मरम्मत करवाने की ज़मिेदारी सौंपी गई है । इन इमारतों की सभी दशिाओं में 300 मीटर के आस-पास के क्षेत्र को (या अधिक के रूप में कुछ मामलों में नरिदषिट कयिा जा सकत है) राष्ठीय महत्त्व का क्षेत्र घोषति कयिा जात है ।
- इस प्रतबिधति क्षेत्र में कसिी भी प्रकार के नरिमाण या पुनरनरिमाण की अनुमति नहीं है (राष्ठीय महत्त्व के रूप में घोषति नज़दीकी संरक्षणति स्मारक या संरक्षणति क्षेत्र की नकिटतम संरक्षणति सीमा से सभी दशिाओं में 100 मीटर की दूरी तक का क्षेत्र) , लेकनि मरम्मत या नवीकरण कार्य कराय जा सकत है ।
- नयितरति क्षेत्र में (कसिी भी संरक्षणति स्मारक और राष्ठीय महत्त्व के घोषति संरक्षणति क्षेत्र से सभी दशिाओं में 200 मीटर की दूरी तक का क्षेत्र) मरम्मत / नवीनीकरण / नरिमाण / पुनरनरिमाण कयिा जा सकत है ।
- प्रतबिधति और नयितरति क्षेत्रों में नरिमाण संबंधी कार्यों के लयि सभी आवेदन सक्षम प्राधिकारी (Competent Authorities-CA) और फरि उन पर वचिर करने हेतु NMA के समक्ष प्रस्तुत कयिे जाते हैं ।

राष्ठीय स्मारक प्राधिकरण (National Monuments Authority-NMA)

- राष्ठीय स्मारक प्राधिकरण को सांस्कृतिक मंत्रालय के तहत प्राचीन स्मारक और पुरातत्त्व स्थल तथा अवशेष (Ancient Monuments And Archaeological Sites and Remains-AMASR) (संशोधन और मान्यता) अधनियम के
- वधानों के अनुसार स्थापति कयिा गया है जसिे मार्च, 2010 में अधनियमति कयिा गया था ।
- NMA को स्मारकों और स्थलों के संरक्षण से संबंधति कई कार्य सौंपे गए हैं जो केंद्र द्वारा संरक्षणति स्मारकों के आसपास प्रतबिधति और वनियमति क्षेत्रों के प्रबंधन के माध्यम से कयिे जाते हैं ।
- NMA, प्रतबिधति और वनियमति क्षेत्रों में नरिमाण संबंधी गतविधि के लयि आवेदकों को अनुमति प्रदान करने पर भी वचिर करत है ।

गोलकुंडा का कला (Golkunda Fort)

- यह हैदराबाद के पश्चिमी भाग में स्थित है।
- इसे वर्ष 1143 में एक पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया था। यह मूल रूप से मंकल (Mankal) के नाम से जाना जाता था।
- यह मूल रूप में वारंगल के राजाओं (Rajah of Warangal) के शासनकाल में एक मट्टी का कला था।
- यह 14वीं और 17वीं शताब्दी के बीच बहमनी सुल्तानों (Bahmani Sultans) द्वारा और फरि कुतुब शाही वंश (Qutub Shahi dynasty) द्वारा इसे संरक्षित कर लिया गया था यह गोलकुंडा, कुतुब शाही राजाओं की प्रमुख राजधानी थी।
- कला के आंतरिक भाग में महल, मस्जिद और एक पहाड़ी मंडप के खंडहर हैं, जिनकी ऊँचाई लगभग 130 मीटर है और ये अन्य इमारतों को देखने के लिये वहाँगम दृश्य प्रदान करते हैं।

कुतुब शाही मकबरा (Qutb Shahi Tombs)

- गोलकुंडा कला से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित कुतुब शाही मकबरा फारसी, हद्दी और पठानी वास्तुकला की शैलियों में निर्मित है।
- 18वीं सदी में कई राजाओं ने राज्य किया जिनके द्वारा इन मकबरों के निर्माण की योजना तैयार कर इनका निर्माण कराया गया था।
- इब्राहिम बाग (Ibrahim Bagh) के सुंदर उद्यानों के बीच इन मकबरों की स्थापना की गई है जिससे इनकी भव्यता और अधिक बढ़ जाती है। ये मकबरे सात कुतुब शाही राजाओं को समर्पित हैं जिन्होंने लगभग 170 वर्षों तक गोलकुंडा पर शासन किया था।
- सबसे प्रभावशाली मकबरों में से एक मकबरा हैदराबाद के संस्थापक मोहम्मद कुली कुतुब शाह (Mohammed Quli Qutub Shah) का है। जिसकी ऊँचाई 42 मीटर है।

स्रोत: 'द हद्दी'

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/golconda-qutb-shahi-tombs>

